शहर का बाजार

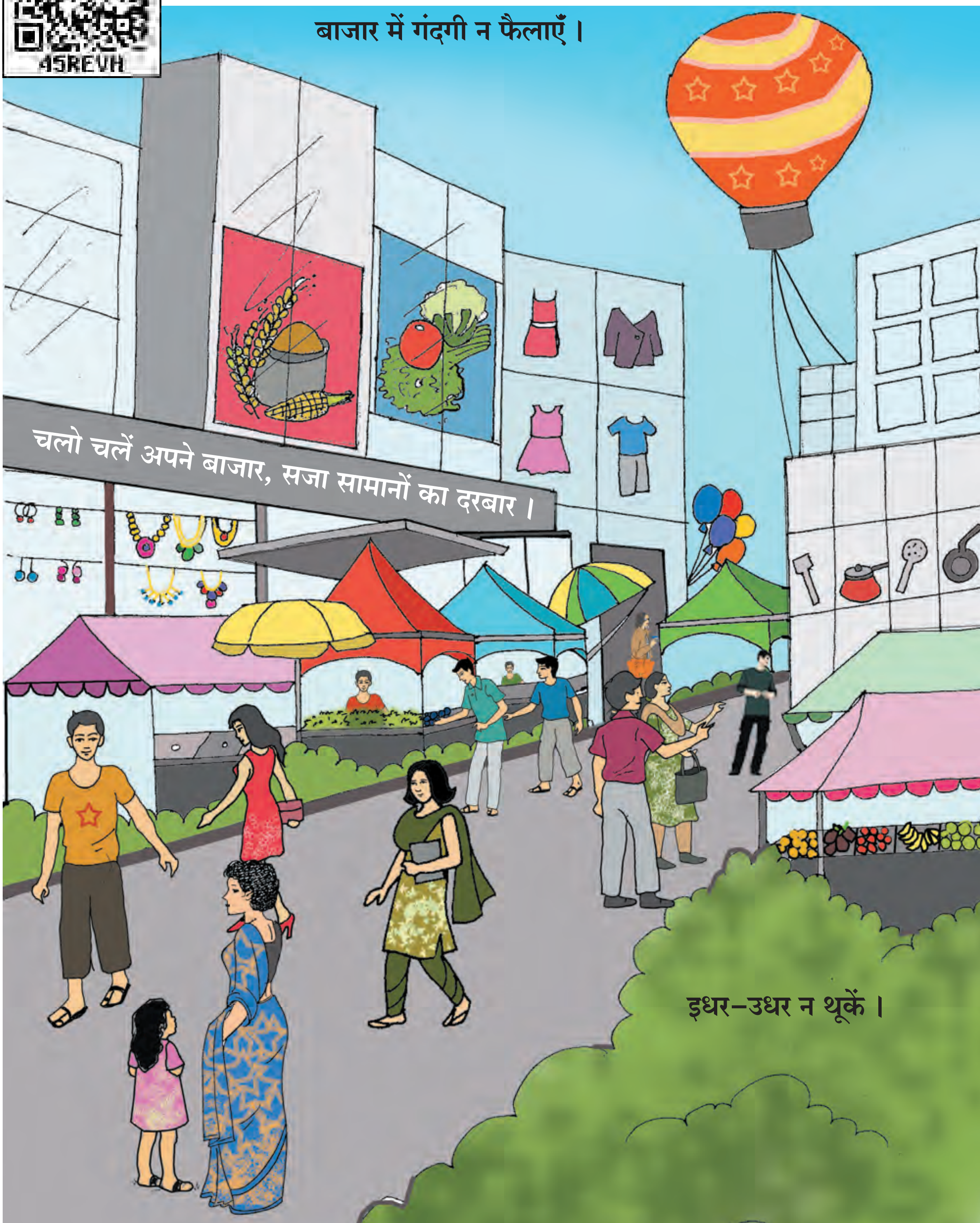

❑ चित्रों में आए वाक्यों का वाचन कराएँ । वाक्यों पर चर्चा करें । गाँव-शहर के बाजारों के अंतर पर प्रश्न पूछें । डाकघर, अस्पताल का वर्णन करने के लिए प्रेरित करें । गाँव और शहर के वातावरण, सामानों की 'शुद्‌धता-अशुद्‌धता' आदि पर चर्चा करें/कराएँ ।

● वाचन – पढ़ो और गाओ :

२. नींद हमें तब आती है

जब भी मीठी-मीठी लोरी माँ रोज सुनाती है,
नींद हमें तब आती है ।

दूर सभी डर हो जाते
हम सपनों में खो जाते
लोरी गाते-गाते हमको छाती से चिपकाती है,
नींद हमें तब आती है ।

माँ जब गाती है लोरी
चुपके से चोरी-चोरी
परियों की रानी पंखों पर हमको सैर कराती है,
नींद हमें तब आती है ।

ना सोने के पलने में
ना चाँदी के झूले में
गोदी के पलने का झूला, माँ जब हमें झुलाती है,
नींद हमें तब आती है ।

– प्रकाश पुरोहित

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का पाठ करें । विद्यार्थियों से सामूहिक, गुट में साभिनय पाठ करवाएँ । कविता का मौन पाठ कराएँ । विद्यार्थियों से सुनी हुई अन्य लोरियाँ गवाएँ । 'माँ' के बारे में कुछ वाक्य बुलवाएँ, लिखने हेतु प्रेरित करें ।

स्वाध्याय हेतु अध्यापन संकेत – स्वाध्याय में दिए गए 'सुनो', 'पढ़ो' के प्रश्नों के लिए सामग्री उपलब्ध कराएँ । यह सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थी स्वाध्याय नियमित रूप से कर रहे हैं । विद्यार्थियों के स्वाध्याय का 'सतत सर्वंकष मूल्यमापन' भी करते रहें ।

स्वाध्याय

१. **त्योहार संबंधी लोकगीत सुनो और सुनाओ ।**

२. **दिए हुए शब्दों को वर्णमाला के क्रम में लगाओ :**

थाल, तवा, पपीता, बिल, मंजिल, धनिया, फूल, भीड़, याक, लोटा, वीर, नयन, दामिनी, रश्मि ।

३. **इस कविता को नीचे की पंक्ति से शुरू करके ऊपर तक पढ़ो ।**

४. **उत्तर लिखो :**

(क) हमें नींद कब आती है ?
(ख) लोरी सुनकर हम किसमें खो जाते हैं ?
(ग) माँ हमको छाती से कब चिपकाती है ?
(घ) हमको कौन और किस पर सैर कराती है ?
(ङ) माँ गोदी के पलने का क्या बनाती है ?

५. **चित्र देखकर अंकुरित अनाजों के नाम बताओ :**

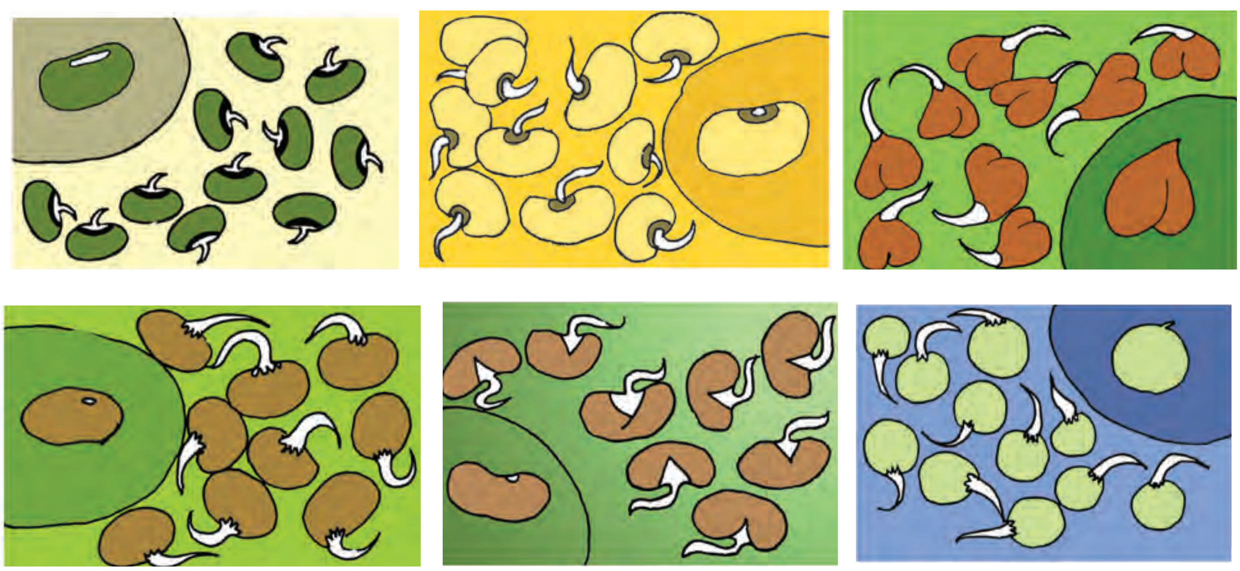

६. **तुम्हारे दूरदर्शन देखने के कारण बहन की पढ़ाई में अड़चन हो रही है, ऐसे समय तुम क्या करोगे, बताओ :**

(च) कुछ भी नहीं करोगे ।
(छ) दूरदर्शन बंद कर दोगे ।
(ज) बहन को दूसरे कमरे में जाकर पढ़ने के लिए कहोगे ।
(झ) उसपर गुस्सा करोगे ।
(ञ) बहन की पढ़ाई में मदद करोगे ।

४५ CMYK

● वाचन – पढ़ो और दोहराओ :

३. पुरखों की निशानी

मैं और माँ, मामा जी के यहाँ गरमी की छुट्‌टी मनाने गए हुए थे । जब लौटकर आए तो आँगन में लगा नीम का पेड़ कटा हुआ पड़ा था । 'यह क्या हुआ ?' कहकर माँ वहीं धम्म से बैठकर रोने लगीं । बुझे दिल से माँ घर के भीतर आईं । पिता जी माँ के सामने सफाई दे रहे थे, "लकड़ियों के पटिए निकल आएँगे ।" मैंने माँ से पूछा था, "माँ, तुम पेड़ के कटने से इतनी दुखी क्यों हो रही हो ?"

माँ ने कहा, "छोटी, तू जब पैदा नहीं हुई थी, उसके पहले नीम के नन्हे से पौधे को मैंने आँगन में रोपा था, उसे सींचा था ।" "तो दूसरा पौधा रोप दो माँ," मैंने धीरे-से कहा । "छोटी, एक पेड़ केवल पेड़ ही नहीं होता, पूरा संसार उसमें रचा-बसा होता है ।" "क्या मतलब ?" मैंने पूछा ।

"छोटी, उस पेड़ पर चिड़ियों के घोंसले थे, चींटियाँ और चींटे रहते थे । रात में बगुले आकर ठहरते थे । उस पेड़ ने हमें ऑक्सीजन दी । उस पेड़ को जो हमारे सुख-दुख का साथी था, हमने अपने स्वार्थ के लिए काट गिराया," कहकर माँ रोने लगी थीं । माँ के बहते आँसू मेरे सीने में जमा हो गए थे ।

कुछ साल बाद मेरा विवाह हुआ । मेरे ससुर जी मकान बनाना चाह रहे थे । हमारे आँगन में पीपल का एक विशाल पेड़ था । अगले दिन पीपल को काटने वाले आ गए । जब मुझे मालूम हुआ तो मैं बोली, "यह पेड़ नहीं कटेगा ।" "बहू, यहाँ मकान बना रहे हैं । तुम्हारे ही काम आएगा," मेरी सासू जी ने कहा । "अम्मा जी, मुझे ऐसा घर नहीं चाहिए जो दूसरों को उजाड़कर बनाया जाए । पीपल का पेड़ हमारे पुरखों की निशानी है । इसपर निवास करते पखेरू कहाँ जाकर बसेंगे ?" कहते-कहते मैं जोरों से रो पड़ी । ससुर जी ने कहा, "बहू सच कह रही है । किसी के घर को उजाड़कर अपना घर नहीं सजाएँगे ।" कुछ देर चुप रहकर फिर उन्होंने कहा, "बहू अब तो खुश हो ?"

– उत्कर्षा आवटे

❑ उचित उच्चारण, आरोह-अवरोह के साथ पाठ का वाचन करें । विद्‌यार्थियों से सामूहिक, गुट में मुखर, मौन वाचन कराएँ । उनसे कहानी उनके शब्दों में कहलवाएँ । विद्‌यार्थियों से किसी वृक्ष पर रहने वाले प्राणियों का निरीक्षण करके उनकी सूची बनाने के लिए कहें ।

४६ CMYK

स्वाध्याय

१. **सूखे और गीले कूड़े के अंतर के बारे में सुनाओ ।**

२. **उत्तर दो :**

(क) मामा जी के यहाँ से लौटकर आए तो क्या हुआ था ?

(ख) पिता जी, माँ के सामने क्या सफाई दे रहे थे ?

(ग) उस पेड़ पर कौन-कौन से प्राणी रहते थे ?

(घ) पीपल का पेड़ किसकी निशानी है ?

(ङ) ससुर जी ने क्या कहा ?

३. **कोई एक नीतिपरक कविता पढ़ो ।**

४. **किसने-किससे कहा, लिखो :**

(च) "लकड़ियों के पटिए निकल आएँगे ।"

(छ) "माँ, तुम पेड़ के कटने से इतनी दुखी क्यों हो रही हो ?"

(ज) "हमने अपने स्वार्थ के लिए काट गिराया ।"

(झ) "बहू, यहाँ मकान बना रहे हैं ।"

(ञ) "अम्मा जी, पीपल का पेड़ हमारे पुरखों की निशानी है ।"

५. **चित्र देखकर प्रत्येक हिस्से के व्यावहारिक गणितीय आकारों के नाम लिखो :**

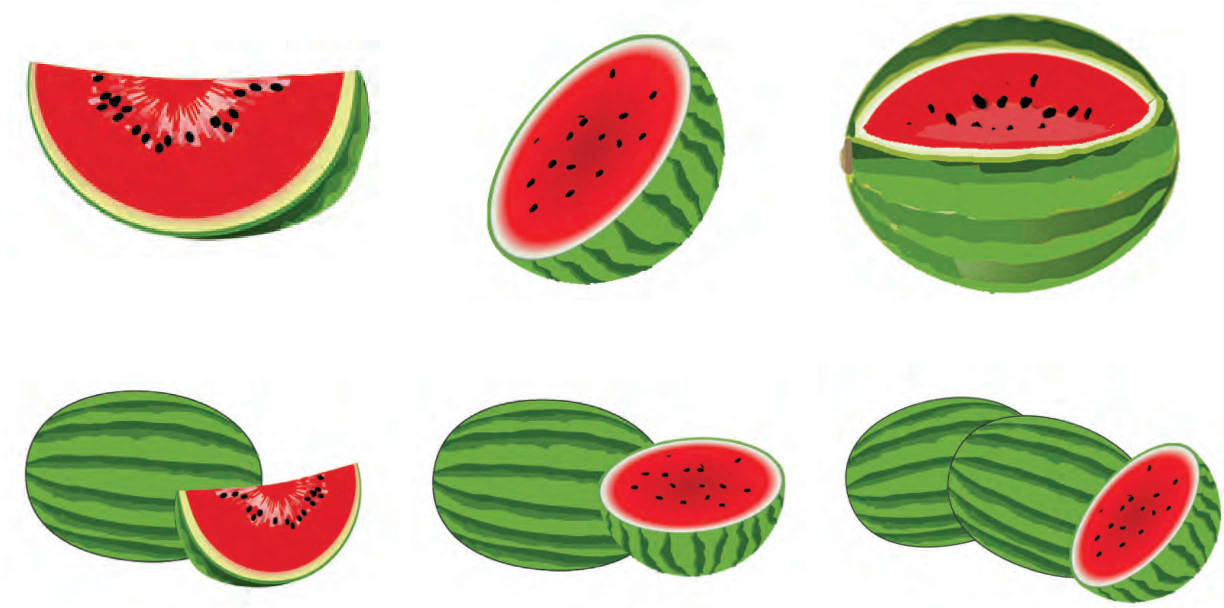

६. **कोई पौधा बार-बार मुरझा रहा है तो तुम क्या करोगे, बताओ ।**

● **वाचन – पढ़ो और बोलो :**

४. स्वस्थ तन– स्वस्थ मन

(गाँव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तहसील की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जागृति आई हैं ।)

डॉ. जागृति – भाइयो और बहनो ! टीकाकरण कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए सबको धन्यवाद ।

सरपंच – डॉक्टर बहन जी ! हमारे गाँव का हर निवासी स्वास्थ्य के प्रति सजग है ।

डॉ. जागृति – बहुत अच्छा ! आप सब जानते हैं कि टीकाकरण विभिन्न गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है । टीका न लगाने से बच्चा कुपोषित या अक्षम हो सकता है । इससे बचने के लिए आजकल अधिकांश बीमारियों के टीके उपलब्ध हैं । बताइए कौन–कौन सी बीमारियों के टीकों की आपको जानकारी है ।

मालीराम – पोलियो का टीका लगाने से बच्चे के लूला–लंगड़ा होने की आशंका नहीं रहती ।

सोमवती – एम.एम.आर का टीका अर्थात खसरा, गलसुआ और शीतला से हमेशा के लिए मुक्ति ।

चंदा – हेपेटाइटिस बी के टीके से यकृत के रोगों से बचाव होता है ।

वर्षा – पीसीवी १३ का टीका रक्त, फेफड़े और मस्तिष्क को संक्रमण से बचाता है ।

आशुतोष – हिब का टीका अत्यंत संक्रामक ज्वर या निमोनिया से बचाता है ।

शुभ्रा – अतिसार, हेपेटाईटस ‘ए’, छोटी चेचक और हैजा के लिए भी टीके हैं ।

जयेंद्र – डीटीएपी याने कंठरोहिणी, धनुर्वात और कुकुरखाँसी से बचने के लिए टीका ।

डॉ. जागृति – बढ़िया ! याद रखिए । हर बच्चे को सही समय पर टीका लगवाएँ, बच्चे को स्वस्थ बनाएँ । चलिए, टीकाकरण का आरंभ करते हैं ।

❑ उचित आरोह–अवरोह, उच्चारण के साथ वाचन करें । विद्यार्थियों से मुखर वाचन करवाएँ । टीकाकरण पर चर्चा करें । विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करें । समाज में फैले जादू–टोना जैसे अंधविश्वासों को नकारने हेतु प्रेरित करें ।

४८ CMYK

स्वाध्याय

१. देखा/सुना हुआ स्वास्थ्य संबंधी विज्ञापन सुनाओ ।

२. पाठशाला में 'हिंदी दिवस' कैसे मनाया गया, बताओ ।

३. किसी महापुरुष द्‌वारा लिखा हुआ पत्र पढ़ो ।

४. उत्तर लिखो :

(क) स्वास्थ्य केंद्र पर कौन आई हैं ?

(ख) डॉ. जागृति ने सबको किसलिए धन्यवाद दिया ?

(ग) सरपंच ने क्या कहा ?

(घ) किनसे बचने के लिए बच्चों को टीके लगाए जाते हैं ?

(ङ) अंत में डॉ. जागृति ने लोगों को क्या याद रखने के लिए कहा ?

५. चित्र देखकर उपकरणों के नाम बताओ :

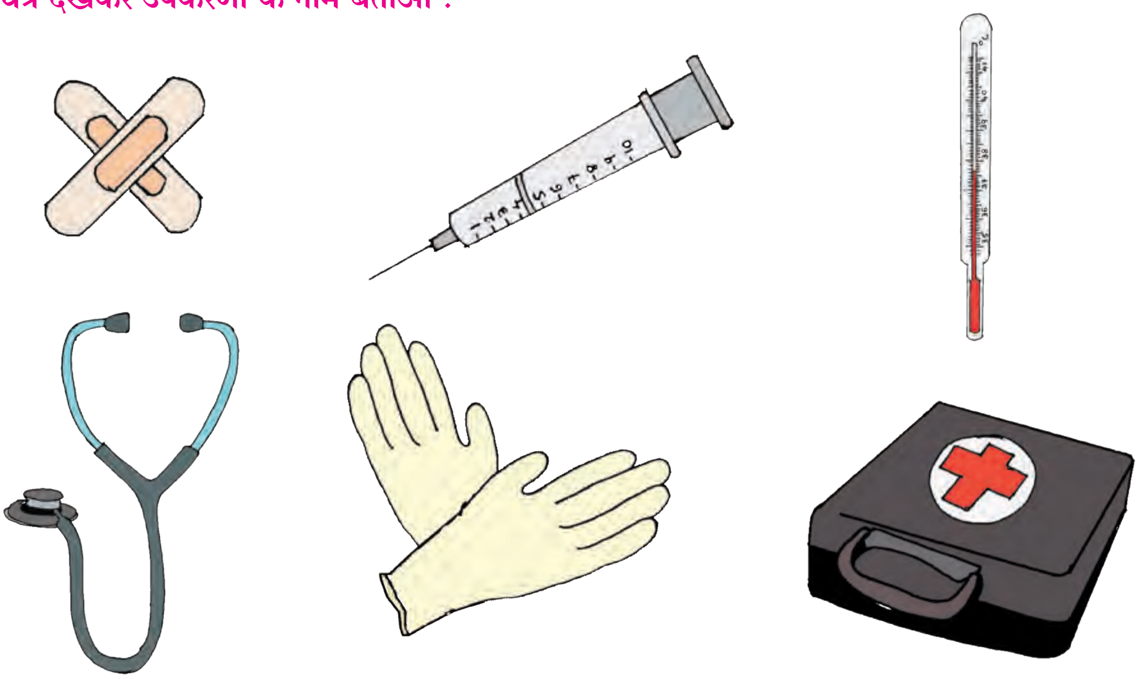

६. वायु प्रदूषण न हो इसलिए क्या करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए बताओ :

(च) स्कूटर में साफ पेट्रोल डालना चाहिए ।

(छ) पी यू सी करवाना चाहिए ।

(ज) कारखाने की दूषित वायु पर प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए ।

(झ) रसोईघर में चिमनी नहीं लगानी चाहिए ।

(ञ) पटाखे नहीं फोड़ने चाहिए ।

४९ C M Y K

● भाषा प्रयोग – श्रुतलेखन करो :

५. मिलकर बनें

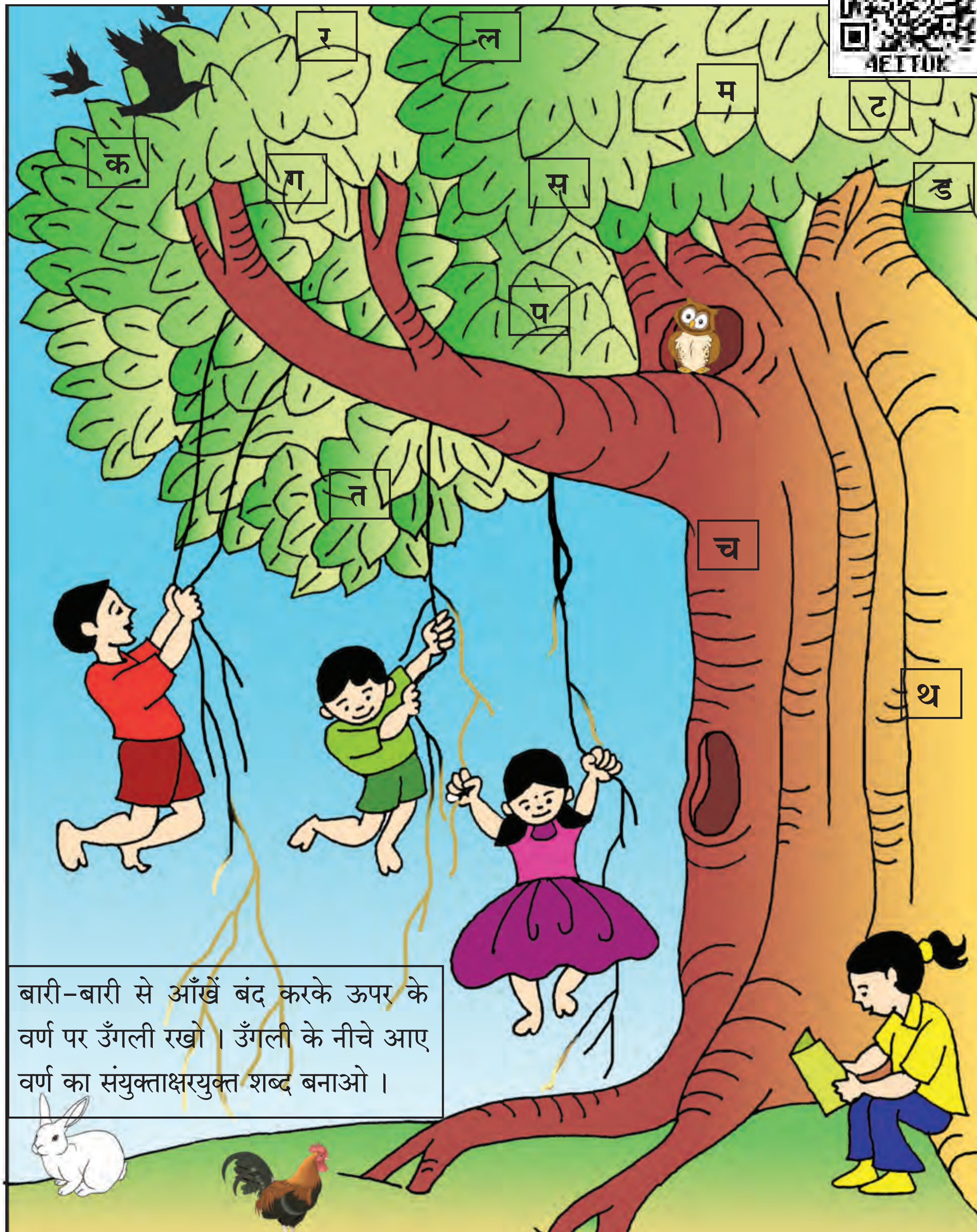

❑ चित्र का निरीक्षण कराएँ । चित्रों के वर्णों का वाचन कराएँ । ऊपर दी गई सूचना के आधार पर विद्यार्थियों से इन वर्णों के संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द बनवाएँ । इनका वाक्यों में प्रयोग करने के लिए कहें । इन शब्दों और वाक्यों का श्रुतलेखन कराएँ ।

जैसे– यदि 'त' पर उँगली पड़ी तो 'त' का संयुक्ताक्षर शब्द बनेगा– पत्थर । इसी तरह ऊपर आए वर्णों के संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द बनाओ । वर्णमाला के अन्य वर्णों के भी संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द बनाओ ।

❑ हल् लगाकर, पाई हटाकर, आधे होकर जुड़ने वाले प्रत्येक वर्ण के संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द बनाकर लिखने के लिए कहें । 'र' के प्रकारों पर चर्चा करके शब्द बनवाएँ । इन शब्दों का श्रुतलेखन कराएँ । प्रत्येक पाठ के संयुक्ताक्षरयुक्त शब्दों का संकलन कराएँ ।

● **व्याकरण – समझो और लिखो :**

६. नई अंत्याक्षरी

(आज शिक्षक दिवस है । चौथी का कक्षानायक सौरभ आज कक्षा को पढ़ा रहा है । शुरू की बेंचों पर पाठशाला के सभी बच्चे बैठे हैं । उनके पीछे सभी शिक्षक/शिक्षिकाएँ बैठी हुई हैं ।)

सौरभ – आज ५ सितंबर है । ५ सितंबर भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी का जन्मदिन है । उनके सम्मान में इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है ।

मंजीत बहन जी – सौरभ गुरु जी ! आज पढ़ाने की बजाय कुछ नया कराइए न !

तनिष्का – आज हम सब अंत्याक्षरी खेलेंगे ।

बच्चे – वाह-वाह !

सौरभ – यह अंत्याक्षरी गीतों की नहीं, मुहावरों और कहावतों की होगी । एक गुट में लड़के और शिक्षिकाएँ होंगी । दूसरे गुट में लड़कियाँ और शिक्षक होंगे । पहला मुहावरा हमारी कक्षाध्यापिका बोलेंगी । मुहावरे के अंतिम वर्ण से शुरू होने वाला अगला मुहावरा शिक्षकों का गुट बताएगा ।

मंजीत बहन जी – अधजल गगरी छलकत जाए ।

हमीद गुरु जी – एक हाथ से ताली नहीं बजती ।

❑ उचित उच्चारण, आरोह-अवरोह के साथ पाठ का मुखर और मौन वाचन कराएँ । पाठ में आए मुहावरों-कहावतों पर चर्चा करें । इनके अर्थ वाक्य प्रयोग द्वारा स्पष्ट करें/कराएँ । वाचन-लेखन में इनका प्रयोग करने हेतु प्रेरित करें । कक्षा में इस तरह के उपक्रम कराएँ ।

पृथा बहन जी – तिल का ताड़ बनाना ।

ब्रजेश गुरु जी – न घर का न घाट का ।

कांता बहन जी – कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती ।

अर्जुन – तू-तू, मैं-मैं करना ।

भूमिका बहन जी– नौ नगद, न तेरह उधार ।

भारत गुरु जी – राई का पहाड़ बनाना ।

पृथा बहन जी – नया नौ दिन, पुराना सौ दिन ।

तनिष्का – नेकी कर कुएँ में डाल ।

कांता बहन जी – लातों के भूत बातों से नहीं मानते ।

ब्रजेश गुरु जी – तेल देखो, तेल की धार देखो ।

भूमिका बहन जी– खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है ।

भारत गुरु जी – हाथ कंगन को आरसी क्या ।

मंजीत बहन जी – यथा राजा तथा प्रजा ।

हमीद गुरु जी – जाको राखे साइयाँ, मार सके ना कोय ।
(घंटी बजती है ।)

सौरभ – अभिनंदन ! दोनों गुटों का ज्ञान अच्छा है । घंटी बज चुकी है । इसलिए न कोई जीता न कोई हारा !
(सब ताली बजाते हैं ।)

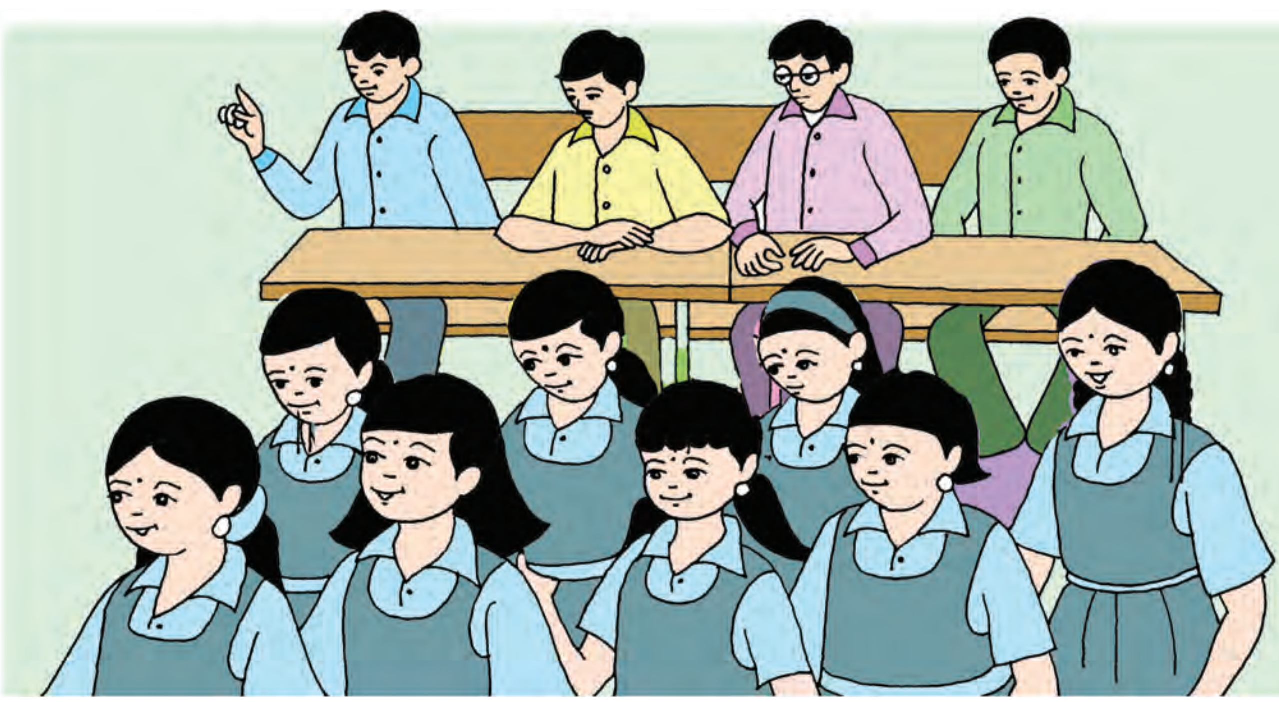

❑ उचित आरोह-अवरोह, उच्चारण के साथ पाठ का वाचन कराएँ । मुहावरों-कहावतोंयुक्त परिच्छेद, कहानी, निबंध वाचन हेतु प्रेरित करें । पाठ्यपुस्तक से मुहावरों-कहावतों का संग्रह कराएँ । कक्षा में मुहावरों-कहावतों के आधार पर कृति/अभिनय कराएँ ।

५३ C M Y K

● **आकलन – पढ़ो, समझो और लिखो :**

७. क्या तुम जानते हो ?

१. मनुष्य का दायाँ पैर, बाएँ पैर की अपेक्षा लंबा होता है ।

२. दोनों हाथों को फैलाने पर मिलने वाली लंबाई लगभग अपने शरीर की लंबाई के बराबर होती है ।

३. छींकते समय अपनी आँखें खुली रखना लगभग असंभव होता है ।

४. रोने के लिए ४३ स्नायुओं की जबकि हँसने के लिए १७ स्नायुओं की आवश्यकता होती है ।

५. प्रत्येक मनुष्य की उँगलियों के निशान अलग होते हैं ।

६. स्वस्थ व्यक्ति २४ घंटे में लगभग २३ हजार बार साँस लेता है ।

७. दस बजकर दस मिनट के समय पर घड़ी की तीनों सूइयाँ और सभी अंक दिखाई देते हैं ।

८. चूहा लगभग ५० फीट ऊँचाई से कूद सकता है ।

९. एक स्वस्थ मनुष्य की नाड़ी एक मिनट में ७२ बार चलती है ।

१०. गिलहरी बीज मिट्टी में दबाकर भूल जाती है । कालांतर में यही बीज पेड़ बनते हैं ।

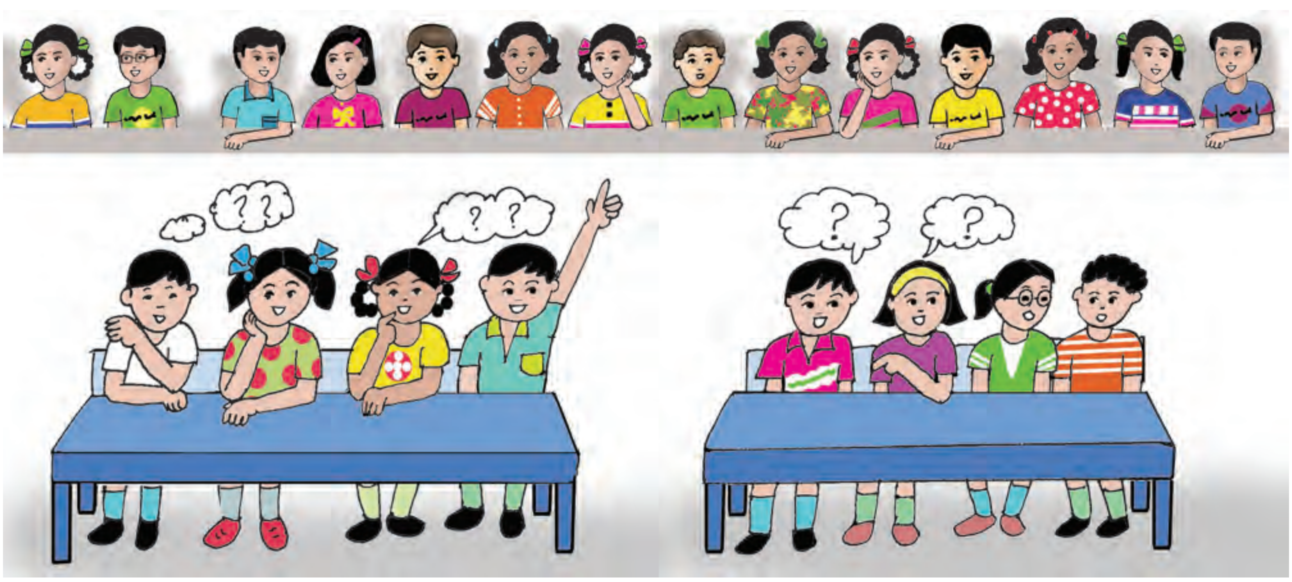

❑ पाठ का मुखर, मौन वाचन कराएँ । पाठ में आए मुद्दों पर विद्यार्थियों से चर्चा करें । ऐसी ही अन्य जानकारियों का संग्रह कराएँ ।

५४ CMYK

● कला – पढ़ो, समझो और लिखो :

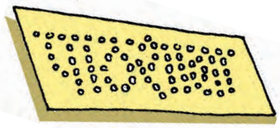

८. नन्हीं जादूगरनी

कक्षा के सभी विद्‌यार्थी बड़े खुश थे । आज कक्षा में पूर्वा उन्हें जादू दिखाने वाली थी । वे तरह-तरह के अनुमान लगाते हुए आपस में धीरे-धीरे फुसफुसा ही रहे थे कि पूर्वा आ गई । उसके हाथ में कुछ कागज, रंग और ब्रश थे । बच्चे कुछ कहें; उसके पहले ही पूर्वा बोल उठी, "जादू का खेल तैयार है ।" सभी और नजदीक आ गए । पूर्वा ने टेबल पर एक कोरा कागज रख दिया फिर उसके ऊपर ६"x३" साईजवाले कार्ड पर पेपर का दूसरा टुकड़ा रखा । सभी बच्चे बड़े ध्यान से देख रहे थे । पूर्वा ने ब्रश रंग में डुबोया और कार्ड पेपर पर घुमाने लगी । कुछ बच्चे हँस पड़े । बोले, "इसमें क्या जादू है ?" तभी पूर्वा ने ऊपर का कार्ड पेपर उठा लिया । यह क्या ? नीचे वाले कागज पर सुंदर अक्षरों में ' 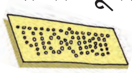 ' लिखा था । 'पाठशाला' लिखा देखकर सभी बच्चे दंग रह गए । पूर्वा बोली, "देखा, नीचेवाले कागज को बिना छुए ही 'पाठशाला' लिख दिया ।"

सभी एक साथ बोल उठे, "पूर्वा ! मुझे भी जादू सिखाओ, मुझे भी जादू सिखाओ ।" पूर्वा बोली, "इसमें कोई जादू-वादू नहीं है । तुम सब भी इसे आसानी से कर सकते हो ।" सभी एक साथ उछल पड़े, "सिखाओ पूर्वा, सिखाओ पूर्वा ।" पूर्वा बोली, "सुनो, मैंने क्या-क्या किया ? मैंने ६"x३" का एक कार्ड पेपर लिया । उसपर पाठशाला लिखा । उसकी रेखाओं पर समान दूरी पर आर-पार थोड़े चौड़े छेद किए । अब यह स्टेन्सिल बन गई । इस स्टेन्सिल को सादे कागज पर रखकर उसपर रंग में डुबोया हुआ ब्रश घुमाया । स्टेन्सिल के छिद्रों से रंग नीचे उतरकर कागज पर बन गया 'पाठशाला' शब्द । इसी तरह तुम सब वर्णों, शब्दों की स्टेन्सिल बनाकर सुंदर कलाकृति बना सकते हो ।"

❑ उचित उच्चारण, आरोह- अवरोह के साथ पाठ का मुखर वाचन कराएँ । पाठ में आए संदर्भानुसार वर्णों, शब्दों की स्टेन्सिल बनवाकर उनकी छाप विद्‌यार्थियों से उनकी कॉपी में बनवाएँ । विद्‌यार्थियों से वर्णकार्ड, शब्दकार्ड और वाक्यपट्‌टी आदि अध्ययन सामग्री बनवाएँ ।

● निबंध – पढ़ो, समझो और लिखो :

९. सच्चा साथी नीम

नीम मूलतः भारत की धरती का पेड़ है । नीम के पेड़ सदाबहार होते हैं । बैसाख-जेठ की झुलसा देने वाली गरमी में यह लोगों को अपनी छाया की शीतल फुहार से नहला देता है । भारत में तो यह सभी भागों और क्षेत्रों में पाया जाता है । हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में इसे 'नीम' कहते हैं ।

वृक्षों में नीम वैद्‌य है । नीम का प्रत्येक अंग, रोग का नाशक है । इससे बनी सारी वस्तुओं से बीमारी दूर होती है । नीम की छाल घिसकर फोड़े-फुंसियों पर लगा दी जाती है । नीम के फलों को निबौली कहते हैं । निबौली का तेल और नीम की पत्तियों का चूर्ण घावों को ठीक करता है । नीम की दातौन दाँतों के स्वास्थ्य के लिए श्रेष्ठ होती है । नीम की पत्तियों को कोठार में रखकर अनाज भर देते हैं । इससे अनाज में इल्लियाँ या कीड़े-कीट नहीं पड़ते ।

लोक संस्कृति ने नीम को बहुत प्रेम के साथ अपनाया है । इसपर अनेक पखेरू अपना रैनबसेरा करते हैं । चहचहाती चिड़ियों का यह घर बन जाता है । ये जीव पर्यावरण में संतुलन बनाए हुए हैं ताकि मनुष्य की साँस चलती रहे और वह जीवन का छंद गाता रहे ।

नीम ने सड़कों को छाया दी है । राहगीरों को आराम के क्षणों में घर सरीखा सुख दिया है । पुराने जमाने में गाँव की चौपाल नीम के पेड़ के नीचे जमती थी । नीम आदमी का सच्चा साथी है । नीम की छाया, माँ के आँचल की छाया के समान होती है । घर के आस-पास नीम का पेड़ हो तो वातावरण प्रदूषणरहित रहता है । नीम किसी की देखरेख का मोहताज नहीं । यह भारतीय किसान और गाँव के भोले मन का प्रतीक है ।

– डॉ. श्रीराम परिहार

❑ उचित उच्चारण, आरोह-अवरोह के साथ निबंध का वाचन कराएँ । नीम के बारे में विद्‌यार्थियों से ५ से ८ वाक्य बोलने के लिए कहें । नीम की उपयोगिता पर चर्चा करें । अन्य उपयोगी वृक्षों की जानकारी दें । इस तरह के अन्य निबंध पढ़ने के लिए प्रेरित करें ।

स्वाध्याय

१. **अंतरिक्ष के बारे में सुनो ।**

२. **शब्दों के लिंग बदलकर लिखो :**

बनी, सारी, अपनाया, गाता रहे, मोर, हिरन, चुहिया, बंजारिन, मछुआरा, बरछी, देखी, बंदर, मुर्गा, बिल्ली ।

३. **उचित विरामचिह्न लगाकर वाक्यों को पढ़ो : (" "), (' ')**

(क) काल करे सो आज कर आज करे सो अब पल में परलै होयगी बहुरि करोगे कब

(ख) रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ो चटकाइ टूटे से फिरि ना जुरै-जुरै गाँठ परि जाइ

४. **उत्तर लिखो :**

(च) नीम लोगों को कब और कैसे नहला देता है ?

(छ) लोक संस्कृति ने नीम को कैसे अपनाया है ?

(ज) नीम किन-किन रोगों को ठीक करता है ?

(झ) क्या करने से अनाज में कीड़े-कीट नहीं पड़ते ?

(ञ) नीम ने लोगों को क्या-क्या दिया है ?

4FKD26

५. **चित्र पहचानकर नाम बताओ और चौखट में लिखो :**

६. **अपने पुराने लेकिन अच्छे कपड़ों, खिलौनों का तुम क्या करते हो, बताओ ।**

१०. समुच्चित चित्रकला (कोलाज)

सचिन रमेश तेंडुलकर

जन्म दिनांक : २४ अप्रैल १९७३

प्रथम टेस्ट मैच : १५ नवंबर १९८९ वि. पाकिस्तान

प्रथम अंतरराष्ट्रीय एक दिवसीय मैच : १८ दिसंबर १९८९ वि. पाकिस्तान

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में शतक ४९

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में अर्धशतक ९६

टेस्ट शतक ५१

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में रन संख्या १८,४२६

टेस्ट रन १५,९२१

अंतिम टेस्ट मैच :

१४ नवंबर २०१३ वि. वेस्ट इंडीज

अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच :

१८ मार्च २०१२ वि. पाकिस्तान

सचिन तेंडुलकर को मिला 'भारत रत्न' ।
सबसे युवा 'भारत रत्न' पुरस्कार प्राप्तकर्ता

विश्व कीर्तिमान

- एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में दोहरा शतक बनाने वाले प्रथम खिलाड़ी
- सबसे अधिक टेस्ट मैच एवं एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी
- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सौ शतक बनाने वाले एकमात्र क्रिकेट खिलाड़ी
- टेस्ट क्रिकेट में ५० शतक बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी
- टेस्ट मैच में १५,००० रन बनाने वाले प्रथम बल्लेबाज
- अब तक सबसे अधिक विश्व कीर्तिमान बनाने का विश्व कीर्तिमान

सम्मान

- अर्जुन पुरस्कार
- राजीव गांधी खेल रत्न
- पद्मश्री
- महाराष्ट्र भूषण
- पद्मविभूषण
- भारतरत्न

समाचारपत्र के कट आउट्स, चित्र, फोटो, लेख आदि की कलात्मक प्रस्तुति को समुच्चित चित्रकला (कोलाज) कहते हैं । तुम किसी एक विषय या विषयों एवं संकल्पनाओं को भी लेकर एक कोलाज बना सकते हो ।

मेरा प्रिय क्रिकेट खिलाड़ी

AFU93T

मर्मस्पर्शी विदाई भाषण

सचिन ने उनके जीवन में योगदान देने वाले सभी व्यक्तियों, अपने माता-पिता, पारिवारिक सदस्यों, रिश्तेदारों, मित्रों, अपने शिक्षक, डॉक्टर्स, प्रशिक्षकों, प्रबंधकों, संचार माध्यमों और अन्य व्यक्तियों जिन्होंने किसी भी रूप में सहायता की है, सभी के प्रति आभार प्रकट किया ।

सचिन !
हमें आप
पर गर्व है ।

सचिन के पिता, प्रा. रमेश तेंडुलकर का देहावसान उस समय हुआ जब १९९९ का विश्व कप मैच चल रहा था । सचिन केवल कुछ समय के लिए ही भारत आए और तुरंत लौट गए । केनिया के खिलाफ अगले ही मैच में उन्होंने शतक (१०१ गेंदों में अविजित १४०) बनाया । यह शतक उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया ।

अपने विदाई भाषण में सचिन ने अपने 'सर'
- श्री रमाकांत आचरेकर -
के बारे में कहा ....

"सर ने विगत २९ वर्षों में कभी भी नहीं कहा कि, 'शाबास, अच्छा खेले । शायद यह सोचकर उन्होंने कभी प्रशंसा नहीं की कि ऐसा कहने से मुझे संतुष्टि मिल जाएगी और मैं कठिन परिश्रम करना बंद कर दूँगा । अब वो अपनी शुभकामनाओं को बढ़ाते हुए आशीर्वचन के रूप में मेरे खेल जीवन के बारे में कह सकते हैं कि 'शाबास, बहुत अच्छे !' क्योंकि, सर अब मैं अपने जीवन में और मैच नहीं खेलने वाला हूँ । मैं हमेशा क्रिकेट का दर्शक बना रहूँगा और क्रिकेट हमेशा मेरे हृदय में रहेगा । मेरे क्रिकेट जीवन में आपका योगदान अतुलनीय है । आपको बहुत–बहुत धन्यवाद !"

सचिन की एक प्रशंसिका ने अपने 'प्रिय क्रिकेटर' के जीवन और कार्य पर यह कोलाज बनाया है । तुम भी अपने किसी प्रिय खिलाड़ी या व्यक्तित्व के बारे में 'कोलाज' बना सकते हो ।

● **व्यावहारिक सृजन – देखो, समझो और लिखो :**

११. मीठे बोल

बलराम जी उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे । इन दिनों हरियाणा से उनकी बहन मैनादेवी आई हुई थीं । बलराम जी के पोता-पोती गोपाल और वैदेही की पाठशाला में आज वार्षिक उत्सव था । वे दोनों जल्दी पाठशाला चले गए थे । इतने में दूसरी पाठशाला में पढ़नेवाले उनके मित्र नवजोत और रुक्मिणी आ गए । नवजोत पंजाब का और रुक्मिणी गुजरात की रहने वाली थी ।

नवजोत ने दादा जी से पूछा, " आज साड्डे मित्तर छत्ती किंद चले गए ?" (आज हमारे मित्र जल्दी कैसे चले गए ?) मैना देवी बोली, "उंका सकूल में आज बारशिक उत्सव थो, सो वा जलदी चल्या गया ।" (उनकी पाठशाला में आज वार्षिक उत्सव था इसलिए वे जल्दी चले गए ।) रुक्मिणी बुदबुदाई, "वैदेही काले मलि पण कई बोलि नई ।"(वैदेही कल मिली थी पर कुछ बोली नहीं ।)

दोनों बच्चे बुजुर्गों को नमस्कार करके अपनी पाठशाला की ओर चले तो बलराम जी आशीर्वाद देते हुए बोले, "खूब पढ़ा, खूब बड़ा हो । रास्ता मा सम्हारि के जाया दोनउ जन ।" (खूब पढ़ो, बहुत बड़े बनो । रास्ते में दोनों सँभलकर जाना ।) रुक्मिणी और नवजोत सोच रहे थे कि भारत की अलग-अलग बोलियों और भाषाओं में कितनी समानता और मिठास है । हम सबने अलग-अलग बोली भाषा का प्रयोग किया फिर भी आसानी से एक-दूसरे की बात समझ गए । सचमुच भाषा संवाद के लिए होती है, विवाद के लिए नहीं ।

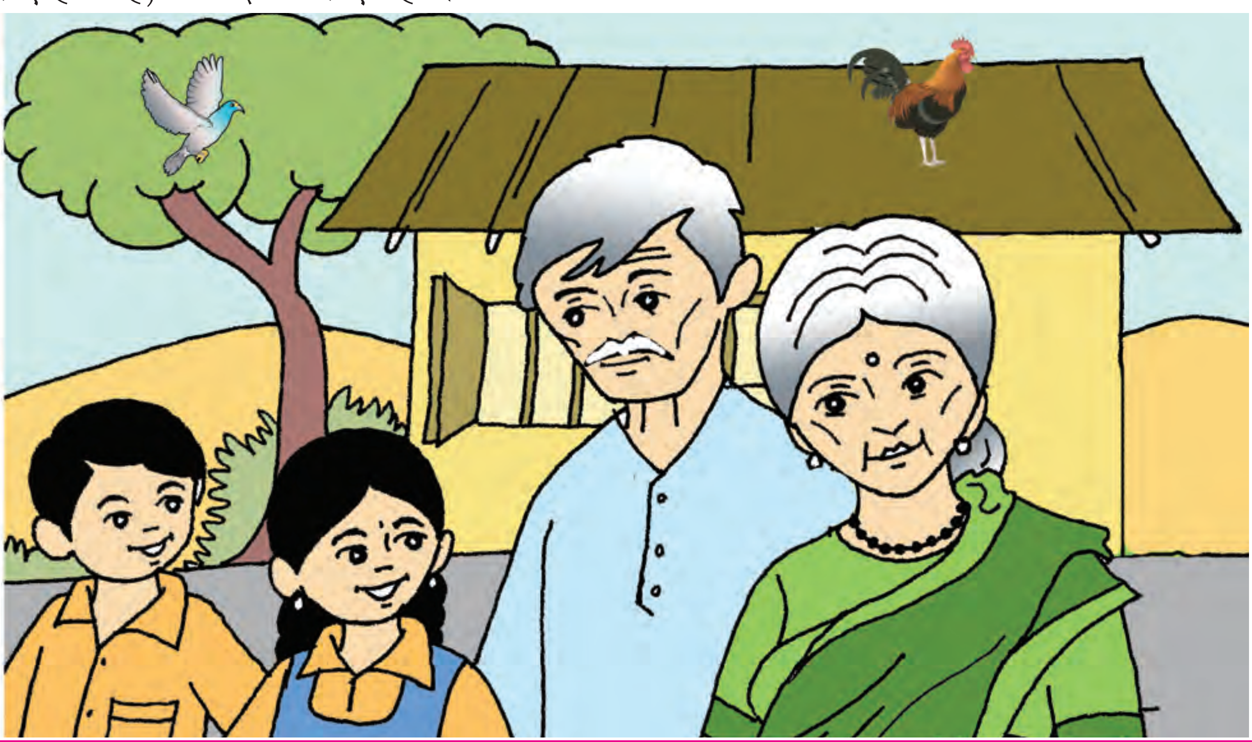

❑ उचित उच्चारण, आरोह-अवरोह के साथ वाचन करें । प्रत्येक विद्यार्थी से उनकी बोली के एक-एक वाक्य बुलवाकर उन वाक्यों का हिंदी मानकरूप में रूपांतरण कराएँ । शरीर के अवयव एवं बोलियों के दैनिक व्यवहार के शब्दों एवं उनके मानक रूपों पर चर्चा करें । छोटे परिवार और बड़े परिवार पर तुलनात्मक सोदाहरण चर्चा करें/ कराएँ । तुम्हारे परिसर में बोली जाने वाली बोली-भाषा के नाम लिखो ।

६० CMYK

स्वाध्याय

१. **पृथ्वी के बारे में सुनो ।**

२. **किसी बंदरगाह के बारे में पढ़ी हुई जानकारी बताओ ।**

३. **घोषवाक्यों को पढ़ो और संकलन करो ।**

४. **उत्तर लिखो :**

(क) बलराम जी कहाँ के रहने वाले थे ?

(ख) किनकी पाठशाला में वार्षिक उत्सव था ?

(ग) नवजोत ने दादा जी से क्या पूछा ?

(घ) समानता और मिठास किसमें है ?

(ङ) भाषा किसके लिए होती है ?

५. **चित्र देखकर इनसे संबंधित एक-एक वाक्य बताओ :**

६. **तुम्हारे पड़ोस की छोटी बच्ची पाठशाला नहीं जाती, उसे पाठशाला ले जाने के लिए तुम क्या करोगे, बताओ :**

(च) उसे प्यार से समझाओगे ।

(छ) उसे डराओगे ।

(ज) उसे चॉकलेट देकर फुसलाओगे ।

(झ) पाठशाला का महत्त्व बताओगे ।

(ञ) साथ में लेकर पाठशाला जाओगे ।

4G4556

✻ पुनरावर्तन ✻

✻ इस पहेली में मुहावरे दिए गए हैं। आड़े–खड़े–तिरछे बक्से बनाकर उचित मुहावरे ढूँढ़ो :
(उदाहरण के रूप में मुहावरे का एक बक्सा दिया गया है।)

जी	य	धु	चौ	रा	र	व	प्रा	ल	गि
आँ	चु	भ	न	य	ह	णों	स	ड़	रं
खें	च	रा	क	का	की	दे	गि	ती	गो
म	छ	झ	ना	आ	प	ड़ा	ख	क	में
ट	ज	र	हु	ल	क	क्का	ह	ना	रं
का	स	ति	व	र	ना	र	हो	ज़	ग
ना	दे	इ	क	खा	ढा	ओ	प	ना	जा
ना	आ	ह	दि	ना	अ	फ	ब	भ	ना
ई	ना	खें	मुँ	ह	में	पा	नी	आ	ना
प	आँ	ह	ल	मा	न	ठ	म	स	दाँ
आँ	क्ष	दू	त	गे	हा	औ	ब	ए	त
ह	खें	खा	ठ	का	र	क	ष	ऐ	दि
ती	ना	खो	ल	ट	ले	ह	श	क	खा
ण	ड	गा	ल	ना	द	बा	ना	री	ना
ली	ना	र	भा	ना	हो	श	में	आ	ना

❊ पुनरावर्तन ❊

१. सिंदबाद की सुनी हुई कोई एक कहानी सुनाओ ।
२. देखी हुई विज्ञान प्रदर्शनी के बारे में बताओ ।
३. साहसी बच्चों को दिए जाने वाले शौर्य पुरस्कार की जानकारी पढ़ो ।
४. मैदानी और अंतर्गृही खेलों के दस-दस नाम लिखो ।
५. निम्नलिखित वर्ग पहेली में संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द ढूँढ़कर उनपर गोल बनाओ :

श	अ	ज्जू	प्प	ट्टू	अ
स	क्ति	च्छा	ट	वि	ग्नि
ग	ख्त	स	त्य	द्या	घ्न
ड्ढा	कु	र्ता	ग	स	भ्य
ब	न्ना	ध्या	थ्य	फ्फा	ब्बा
ग	प्पा	क्क	न	अ	र

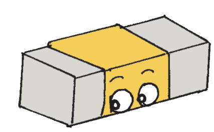

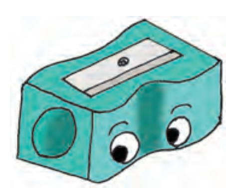

उपक्रम

माँ-पिता जी से पारिवारिक संस्कारों के बारे में सुनो ।

बड़ों से सीखकर तुमने किन गुणों को अपनाया है, बताओ ।

समाचारपत्र में खेल समाचारों का पृष्ठ पढ़ो ।

अपने घर का पता पिनकोडसहित (रास्ता, गाँव का नाम आदि) लिखो ।

● चित्रवाचन – देखो, बताओ और कृति करो :

AGD174

१. संचार के साधन

संचार साधनों का देखो जोर । संदेश पहुँचाते चारों ओर ।।

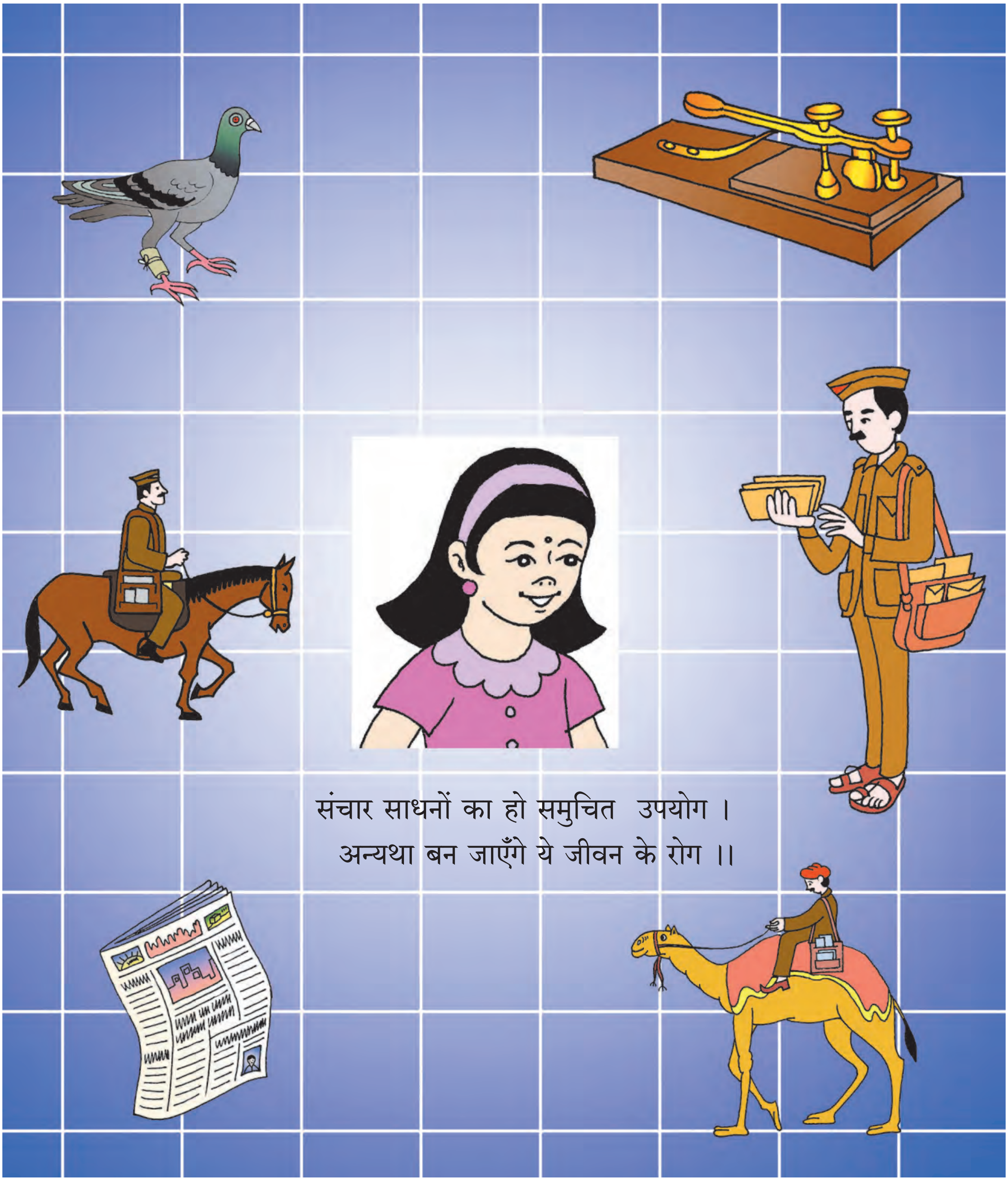

❑ विद्‌यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण करवाकर चर्चा कराएँ एवं उनको प्रश्न पूछने के लिए कहें । संचार के प्राचीन साधनों एवं उनके उपयोग पर चर्चा करें/कराएँ । संचार के अन्य साधनों की जानकारी दें । परिचित डाकिये से उनके कार्य के बारे में बातचीत कराएँ ।